प्रेस विज्ञप्ति

एम्स ने कैंपस के सोलराइजेशन के लिए इरेडा के साथ साझेदारी के लिए एमओयू हस्ताक्षरित किया

इरेडा के सीएमडी और एम्स के निदेशकों ने एम्स, नई दिल्ली में रूफटॉप सोलर प्लांट समर्पित किया

नई दिल्ली, 1 अगस्त 2023

भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास संस्था लिमिटेड (इरेडा) और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली (एम्स) ने टिकाऊ के साथ स्वास्थ्य देखभाल को सशक्त बनाने के लिए हाथ मिलाया है। इरेडा और एम्स ने एम्स, नई दिल्ली परिसर का सौरीकरण के लिए तकनीकी मूल्यांकन शुरू करने के लिए आज एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

इरेडा के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी), श्री प्रदीप कुमार दास और एम्स के निदेशक, डॉ. एम श्रीनिवास ने एम्स, नई दिल्ली में दोनों संगठनों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस साझेदारी में शामिल होकर और एम्स में सौर ऊर्जा परियोजनाओं को लागू करके, संस्थान का लक्ष्य इरेडा की मदद से अपने कार्बन फूटप्रिंट को कम करने के साथ-साथ अपने बिजली व्यय को काफी कम करना है।

एम्स ने अपने नई दिल्ली परिसर में 9 किलोवाट का रूफटॉप सोलर प्लांट स्थापित किया है, जिसे आज इरेडा के सीएमडी, श्री प्रदीप कुमार दास और एम्स के निदेशक, डॉ. एम. श्रीनिवास ने समर्पित किया। माननीय केंद्रीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा तथा रसायन और उर्वरक राज्य मंत्री, श्री भगवंत खूबा भौतिक रूप से उपस्थित नहीं हो सके, लेकिन उन्होंने एमओयू पर हस्ताक्षर और सौर संयंत्र उद्घाटन समारोह के लिए अपना संदेश भेजा, जिसको इरेडा के सीएमडी द्वारा पढ़ा गया।

इस साझेदारी के बारे में बोलते हुए, इरेडा के सीएमडी ने कहा कि "हम एम्स के साथ जुड़कर खुश हैं और अक्षय ऊर्जा में अपनी विशेषज्ञता को चिकित्सा संस्थान की स्थायी भविष्य के प्रति प्रतिबद्धता के साथ जोड़ रहे हैं। यह संयुक्त प्रयास स्वच्छ और टिकाऊ पद्धतियों को अपनाने के बढ़ते महत्व को दर्शाता है और हमें उम्मीद है कि यह देश भर के अन्य संस्थानों के लिए एक मॉडल के रूप में काम करेगा। साथ मिलकर, हम स्वच्छ ऊर्जा समाधानों के माध्यम से आर्थिक बचत करते हुए भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ वातावरण बना सकते हैं। एम्स में यह महत्वपूर्ण पहल पूरे देश में नवीकरणीय ऊर्जा और डीकार्बोनाइजेशन का महत्व के बारे में व्यापक जागरूकता पैदा करने की क्षमता रखती है।"

इस एमओयू के तहत, इरेडा एम्स परिसर का तकनीकी-व्यावसायिक मूल्यांकन करेगा। इस मूल्यांकन में वित्तीय मॉडल बनाना, पूर्व-व्यवहार्यता अध्ययन करना, एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करना, परियोजना विकास से संबंधित तकनीकी और वाणिज्यिक पहलुओं के विश्लेषण में सहायता करना, वाणिज्यिक और अनुबंध व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देना और प्रदर्शन संकेतकों को परिभाषित करना आदि शामिल हैं।